प्रेस विज्ञप्ति

मर्चेन्ट चैम्बर एवं कानपुर यूनिवर्सिटी का दो दिवसीय मेन्टरषिप कान्क्लेव।

आज दिनांक 12.10.2022 को प्रातः 11:00 मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के तत्वावधान में कानपुर स्टार्ट-अप मेन्टरशिप एण्ड कैपेसिटी बिल्डिंग कान्क्लेव बजे डॉ. गौर हरि सिंघानिया कांफ्रेस हॉल में आयोजित की गई।

मर्चेन्ट चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष- श्री अतुल कानोडिया ने सत्र की शुरूआत करते हुये दिनांक 11.10.22 को हुये कॉन्क्लेव की जानकारी दी तथा आज दिनांक 12.10.22 के मेन्टरशिप कॉन्क्लेव का अधिकतम लाभ उठाने के लिये प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।

सत्र के प्रारम्भिक सत्र में सत्र में आयशा अग्रवाल, को-फाउंडर एण्ड सी.ई.ओ., योर टैक्स ने छानबीन (Due Diligence) की परिभाषा पर बल दिया, जिसमें कई पैरामीटर को देखना होगा, जैसे वित्तीय संसाधान कहाँ से आयेंगें, सम्पत्ति का कुल आकार क्या होगा, और देयतायें क्या होंगी। कम्पनी के ढांचा तथा आपरेशनल सपोर्ट के साथ वर्तमान तथा भविष्य की कानूनी समस्या क्या हो सकती है, पर जोर दिया।

श्री शशांक अग्रवाल, डिप्टी एम.डी., कानपुर प्लास्टिकपैक ने कहा कि किसी भी स्टार्टअप के लिये आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन एवं उत्पाद को समय से पहुँचाना महत्वपूर्ण है, जिससे स्टार्ट-अप में स्थिरता के साथ देयता सुनिश्चित हो सके। किसी भी स्टार्ट-अप के लिये आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन एक विशिष्ट योगदान रखता है।

इसके पश्चात् श्री ईशान चतुर्वेदी **(Partner - UMCEBO Corp.)** ने ग्राहक की पहचान तथा उस तक पहुँचने की प्रक्रिया पर जानकारी दी। श्री प्रथम शर्मा **(Partner - UMCEBO Corp.)** ने स्टार्ट-अप के लिये कुछ कानूनी पहलुओं के बारे में जानकारी दी, जैस कि स्टार्ट-अप के फाउण्डर के बीच में एग्रीमेन्ट होना आवश्यक है तथा स्टार्ट-अप आईडिया की सुरक्षा के लिये I.P.R. रजिस्ट्रेशन अति आवश्यक है।

श्री प्रतुल टंडन चतुर्वेदी **(Partner - UMCEBO Corp.)** ने बताया भारत में प्रत्येक दिन 3 से ज्यादा स्टार्ट-अप आते है, वर्तमान में 80 हजार से ज्यादा स्टार्ट-अप है। भारत सरकार ने इसके लिये 10,000 करोड़ का फंड निर्धारित किया है। साथ ही स्टार्ट-अप के लिये भारत सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

सुधांशु रस्तोगी, सी.ई.ओ., ए.एस.आर. वेन्चर्स प्रा. लि. ने बताया कि निवेशक स्टार्ट-अप में बाजार की मांग और आवश्यकता को दृष्टिगत करता है। वर्तमान में 7000 से अधिक स्टार्ट-अप है। निवेशक स्टार्ट-अप के यूनिक आईडिया और उसकी स्थिरता को देखता है, इसलिये किसी भी स्टार्ट-अप को आगे बढ़ाने के लिये हमें स्टार्ट-अप के साथ उसको आगे बढ़ने के उपाय पर भी विचार करना चाहिये।

कानपुर विश्वविद्यालय के फैकल्टी मेम्बर श्री रवीन्द्र दुबे ने बताया कि निवेशक के विचार, बाजार की मांग और ग्राहक की आवश्यकता के अनुसार किया गया स्टार्ट-अप ही आपको एक यूनिकार्न बना सकता है।

धन्यवाद प्रस्ताव श्री आकाश गोयनका ने दिया और साथ ही उन्होंने डा0 आरती गुप्ता, चेयरपर्सन, स्टार्ट-अप कमेटी का विशेष धन्यवाद दिया, जिनके अतुलनीय सहयोग से यह मेन्टरशिप कॉन्क्लेव सफल हो पाया।

मंच का संचालन शिवांश मेहरा, वाइस चेयरमैन, आर्बिट्रेशन कमेटी, मर्चेन्ट चैम्बर ने किया।

इस दौरान श्री बासू जैन, कमल रहेजा, डा0 जय प्रकाश, शशांक अग्रवाल, अनिल कुमार सक्सेना, राजीव मेहरोत्रा, मानसी लोहिया, प्रिया रहेजा, वं मर्चेन्ट चैम्बर के सचिव- महेन्द्र नाथ मोदी के अलावा स्टार्टअप कमेटी के सदस्य एवं कानपुर यूनिवर्सिटी के कई छात्र/ छात्रायें उपस्थित रहे।